पाठ 11: रुकावटें

क. **हमारे जीवन में तूफ़ानों का अनुभव**

1. जब चेले गलील की झील में तूफ़ान में फँस गए, तो यीशु की उपस्थिति ने उनके जीवन में क्या अंतर डाला? (मरकुस 4:35-41)
2. जब मार्था और मरियम अपने जीवन में हानि के तूफ़ान से गुजर रही थीं, तब यीशु की उपस्थिति ने उनके जीवन में क्या अंतर डाला? (यूहन्ना 11:32-44)
3. जब एक स्त्री अपने जीवन में बीमारी के तूफ़ान का सामना कर रही थी, तब यीशु की उपस्थिति ने उसके जीवन में क्या अंतर डाला? (मरकुस 5:25-34)
4. जब दो चेले इम्माऊस के मार्ग पर चले जा रहे थे, तब उन्होंने कौन-सा तूफ़ान अनुभव किया था? यीशु की उपस्थिति ने उनके जीवन में क्या अंतर डाला? (लूका 24:13-24, 25-35)
5. आप उस व्यक्ति को क्या सलाह देंगे जो अभी किसी बड़े तूफ़ान का सामना कर रहा है?
6. अपने जीवन का वह समय साझा करें जब आपने किसी तूफ़ान का अनुभव किया। उस कठिन समय में परमेश्वर के साथ आपके संबंध ने क्या अंतर डाला?

ख. **अय्यूब की गवाही से सीखना**

1. अय्यूब परमेश्वर का एक विश्वासयोग्य अनुयायी था, जिसने अपने जीवन में अनेक कठिनाइयों का सामना किया। हम अय्यूब के बारे में क्या जानते हैं? (अय्यूब 1:1-5)
2. अय्यूब ने किन-किन कठिन परिस्थितियों का सामना किया?
3. अय्यूब के मित्रों ने उसे यह समझाने की कोशिश की कि उसकी परेशानियाँ उसके अपने पापों का परिणाम हैं। इस प्रेरित गवाही के अनुसार, अय्यूब जिन कष्टों का सामना कर रहा था उनका स्रोत कौन था? (अय्यूब 1:9-12; 2:3-7)
4. अय्यूब की पत्नी ने उसे इन विनाशकारी परिस्थितियों में कैसी प्रतिक्रिया देने की सलाह दी? (अय्यूब 2:9)
5. अपने जीवन का कोई ऐसा समय साझा करें जब आप भारी चुनौतियों का सामना करते हुए परमेश्वर को छोड़ देने के लिए प्रलोभित हुए हों।
6. अय्यूब के लिए यह कैसे संभव हुआ कि वह अय्यूब 13:15 और अय्यूब 19:25 में लिखी गई विश्वास की बातें कह सका?

ग. **यीशु पर अपनी दृष्टि स्थिर रखना**

1. जब हम अपने जीवन में तूफ़ानों और रुकावटों का सामना करते हैं, तब इब्रानियों की पुस्तक के लेखक ने कौन-सी विशेष शिक्षा (चेतावनी/प्रोत्साहन) दी है? (इब्रानियों 12:1-2)
2. रोमियों 8:18 और 8:28 में प्रेरित पौलुस की गवाही से आपको कौन-सा प्रोत्साहन मिलता है?
3. आज के हमारे अध्ययन से आपने सबसे महत्वपूर्ण कौन-सा पाठ सीखा?